



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 8409248

Roll No. 23262000043

Exam BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025

Total Mark 65/75.00

Subject A310503T - Aesthetical aspects of Tabla

Question wise Mark Summary

Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark

1A 5/5

1B 4/5

1C 5/5

1D 4/5

1E 4/5

1F 4/5

1G 4/5

1H 5/5

1I 3/5

2 0/15

3 0/15

4 0/15

5 14/15

6 0/15

7 13/15

8 0/15

9 0/15

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur, Uttar Pradesh

PART-I

Date of Exam: 20/10/2025 Shift: **III** Room No.: **27**
 Paper Code: **A310503T** Subject: **Table** Year/Sem: **5th**
 Name of Candidate: **Anushka Pal**
 Roll No.: **23262000043**

Anushka Pal
 Signature of Candidate
Harshankar Pal
 Signature of Invigilator
S.D.
 COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED										
Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										
Total Marks in Figures						Max. Marks				
Total Marks in Words										



A310503T
 Paper Code

Signature of Evaluator

Course: **B.A**
 Session: **2025-26** Year/Semester: **5th**
 Subject Name: **Table**
 Medium: English Hindi
 Paper Code: **A310503T**
 Exam Date: **19/12/2026**
 Name of Candidate:
A N U S H K A P A L
 Father's Name:
H A R S H A N K A R P A L

कॉलेज का कोड
K N 1 5
 A A 0 0 0
 E B 1 1
 F D 2 2 2
 H J 3 3 3
 K 4 4 4
 L L 5 5
 R M 6 6 6
 S 7 7 7
 U T 8 8 8
 U 9 9 9
 W

परीक्षा केंद्र का कोड
K N 1 5
 A A 0 0 0
 E B 1 1
 F D 2 2 2
 H J 3 3 3
 K 4 4 4
 L L 5 5
 R M 6 6 6
 S 7 7 7
 U T 8 8 8
 U 9 9 9
 W

परीक्षा का प्रकार
 Type of Exam
 Regular
 Ex-Student
 Private Back Paper Exam

ANSWER BOOKLET NO.
8409248
A310503T
 Paper Code



Enrollment Number: **C S J M A 23000116351**
 Candidate's Roll Number: **23262000043**
 Paper Code: **A310503T**

2	3	2	6	2	0	0	0	0	4	3
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	9

A	3	1	0	5	0	3	T
0	0	0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9

Anushka Pal
 Signature of Candidate

Harshankar Pal
 Signature of Invigilator

C S Facsimile

S.D.
 COE Facsimile

नोट - 1. परीक्षार्थी को निर्दिष्ट किया जाता है कि आवरण पत्रों के पूरा ध्यान पर अधिक राशी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
 2. कोष्ठक में भरी जाने वाली प्रतिक्रियाओं का भी लक्ष्य से लेना है। 3. कोष्ठक में काले या नीले बॉलपेन से भरा जाये।



Paper Code

A310503T



1

खण्ड - 'ब'

Ans-5

चारताल (परिचय)

चारताल खुले बोलों की ताल है और जोरदार बोलों का प्रयोग होता है इसमें। यह पखावज की ताल है। चारताल समपद ताल है इसमें 12 मात्राएं होती हैं, 6 विभाग होते हैं, ताली 1, 5, 9, 11 पर होती है एवं खाली 3 और 7 पर खाली होती। पखावज का प्रचार-प्रसार कम होने के कारण यह ताल तबले पर भी कुछ लोग बजाते हैं। ध्रुपद गायन शैली के साथ चारताल ही बजसक जाती है, यह गंभीर ताल होती है।

मात्राएं	12
विभाग	6
ताली	1, 5, 9, 11.
खाली	3, 7.

ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धा	धा	दिं	ता	तिट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गुपि	गुन
चिह्न	x		0		2		0		8		4	



Paper Code

A 3 1 0 5 0 3 T



2

Do Not Write anything in this Portion

दुग्गुन

माला	1	2	3	4	5	6
बोल	धाधा	द्विता	द्विधा	द्विता	द्विकृत	गुणित
चिन्ह	x		0		2	

माला	7	8	9	10	11	12
बोल	धाधा	द्विता	द्विधा	द्विता	द्विकृत	गुणित
चिन्ह	0		3		4	

तिग्गुन

माला	1	2	3	4
बोल	धाधादि	ताकिट्वा	द्वितादि	कृतगुणित
चिन्ह	x		0	

माला	5	6	7	8
बोल	धाधादि	ताकिट्वा	द्वितादि	कृतगुणित
चिन्ह	2		0	

माला	9	10	11	12
बोल	धाधादि	ताकिट्वा	द्वितादि	कृतगुणित
चिन्ह	3		4	



Paper Code
A 3 1 0 5 0 3 T



3

चौगुन

मात्रा बोल चिह्न	¹ <u>व्वाधापिंत</u> x	² <u>किट्वापिंत</u>	³ <u>टिक्कतगदिगुन</u>	⁴ <u>व्वाधापिंत</u>
मात्रा बोल चिह्न	⁵ <u>किट्वापिंत</u> 2	⁶ <u>टिक्कतगदिगुन</u>	⁷ <u>व्वाधापिंत</u>	⁸ <u>किट्वापिंत</u>
मात्रा बोल चिह्न	⁹ <u>टिक्कतगदिगुन</u> 3	¹⁰ <u>व्वाधापिंत</u>	¹¹ <u>किट्वापिंत</u>	¹² <u>टिक्कतगदिगुन</u> 4

 उ - 'स'

Ans-7.

तीनताल में एक कायदा

तीनताल में कायदा ^{चौगुन} लय में निम्नलिखित हैं -

कायदा

¹ <u>व्वाति</u>	² <u>व्वातिर</u>	³ <u>किट्क</u>	⁴ <u>तिरकिट</u>	⁵ <u>व्वाति</u>	⁶ <u>विन</u>	⁷ <u>ति</u>	⁸ <u>किन</u>	
⁹ <u>ताति</u>	¹⁰ <u>तातिर</u>	¹¹ <u>किट्क</u>	¹² <u>तिरकिट</u>	¹³ <u>व्वाति</u>	¹⁴ <u>विन</u>	¹⁵ <u>विन</u>	¹⁶ <u>गिन</u>	¹⁷ <u>वा</u> x
0				3				



Paper Code

A B 1 0 5 0 3 T



4

पल्य - 1 (चौगुन लय में)

किए

¹ किएकरकिए	² किएकरकिए	³ व्याप्तियातिर	⁴ किएकरकिए	
⁵ व्याप्तियातिर	⁶ किएकरकिए	⁷ व्याप्तियिन	⁸ तिरकिं	
⁹ किएकरकिए	¹⁰ किएकरकिए	¹¹ व्याप्तियातिर	¹² किएकरकिए	
¹³ व्याप्तियातिर	¹⁴ किएकरकिए	¹⁵ व्याप्तियिन	¹⁶ यिनगिन	व्या x

पल्य - 2 (चौगुन लय में)

¹ व्याप्तियिन	² यिनगिन	³ व्याप्तियिन	⁴ यिनगिन	
⁵ व्याप्तियातिर	⁶ किएकरकिए	⁷ व्याप्तियिन	⁸ तिरकिं	
⁹ व्याप्तियिन	¹⁰ तिरकिं	¹¹ व्याप्तियिन	¹² तिरकिं	
¹³ व्याप्तियातिर	¹⁴ किएकरकिए	¹⁵ व्याप्तियिन	¹⁶ यिनगिन	व्या x

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 3 1 0 5 0 3 T



5

बण्ड - 'अ'

1. (b). कला की प्रत्यक्ष कला व्यक्त से हुई हैं।
इसका अर्थ है रचना करना। कलाएँ
5 हैं, जिनको ललित कला कलाएँ कहा गया है,
5 ललित कलाएँ निम्नलिखित हैं -

1. वास्तु कला
2. चित्र कला
3. मूर्ति कला
4. काव्य कला
5. संगीत कला

कला का वर्गीकरण इन 5 कलाओं में किया गया है।
वास्तु कला में भवन निर्माण का वर्णन करते हैं।
प्रकृति को पेशीता, वो चित्रकला होता है।
भावों को मूर्ति में वर्णित करते हैं, वो मूर्तिकला।
रामायण, रासलीला, कविता, कहानी आदि काव्य कला
के अन्तर्गत आता है। एक सप्तक के सातों स्वरों को
या भावों को संगीत में पिरोते हैं वो संगीत कला
कहलाएगी।

1. (c). तबला वादन के 5 गुण

1. तबला वादक को ताल, लय, स्वर का अच्छा
ज्ञान लेना चाहिए।



Paper Code

A 3 1 0 5 0 3 T



6

2. तबला वादक को वादन करने से पहले तबले को मिला लेना चाहिए स्वर से।
3. तबला वादक को के साथ साफ होने चाहिए ताकि बोल साफ सुनाई दे।
4. स्थूल गायन के साथ जब तबला वादन करता है कोई कलाकर तो छोटी सी तिहाई या मुखड़ा लगाकर वादन प्रारम्भ करता है।
5. तबला वादक अनुभवी होता है काफी साल का *experience* होता है जो चमत्कारिक बोल भी बीच-बीच में बजाता है।

1. (b).

सम - गायन या वादन में समय बहुत महत्वपूर्ण और बहुत सुन्दरता से दर्शाया जाता है, सम से सम तक 1 भारतीय पुरा होता है। कोई भी ताल हम शुरु करते हैं तो जब इसका 1 भारतीय पुरा होता है फिर वह सम पर भा कर समाप्त होता है जो कि सुनने में दर्शकों को बहुत प्रिय लगता है। इसी प्रकार कोई भी तिहाई बजाते हैं तो वह सम पर भा कर समाप्त होती है।
सम का चिन्ह (x) होता है।
जो कि हमें पहली मात्रा पर होता है।

Do Not Write anything in this Portion



तिहाई - किसी बोल समूह को उबार बजा कर सम पर समाप्त करते हैं इसे ही तिहाई कहते हैं।
तिहाई दो प्रकार की होती हैं -

1. दमदार तिहाई

2. बेदमदार तिहाई

* दमदार तिहाई वो होती है जिसमें हम लोग उ माता या वो मात्रा का दम देते हैं, यहाँ दम देने का मतलब है सौंस लेना। इसी को दमदार तिहाई कहते हैं।

* बेदमदार तिहाई वो होती है जिसमें हम लोग कही भी नहीं रुकते हैं कोई भी मात्रा का मँप या दम नहीं होता है, तिहाई को शुरू करके सीधा सम पर समाप्त करते हैं, इसे बेदमदार तिहाई कहते हैं।

तिहाई का एक उदाहरण तीन्ताल में

1 तिट	2 कट	3 गादि	4 गन	5 ध्या	6 डा	7 तिट	8 कट	
x				2				
9 गादि	10 गन	11 ध्या	12 डा	13 तिट	14 कट	15 गादि	16 गन	ध्या
0				3				x



Paper Code

A 310503T



8

Do Not Write anything in this Portion

1. (f)

ख्याल गायन शैली

ख्याल गायन शैली शास्त्रीय संगीत की भाव्युक्ति प्रचलित गायन शैली है। इसमें बंधियों की रचना होती है। यह गायन शैली शृंगार रस प्रधान गायन शैली है। इसमें स्वर की स्थिरता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह दो प्रकार की होती है -

1. विलम्बित गायन ख्याल -

विलम्बित ख्याल धीमी गति में गाया जाता है, जिसको बड़ा ख्याल भी कहा जाता है। इसकी रचना जौनपुर के राजा मुल्तान हुसैन शर्की ने की है। विलम्बित ख्याल - रुकताल, झपताल, खिम्बतिलबादा ताल, भापि में गाया जाता है।

2. फुट ख्याल -

फुट ख्याल को फोटा ख्याल कहा जाता है। इसमें झालाप तान ली जाती है और यह तीनताल, रुकताल, झपताल, भापि तालों में गाया जाता है। इसमें शृंगार रस का प्रयोग होता है। सुने में बहुत मधुर होता है।



Paper Code

A 3 1 0 5 0 3 T



9

1. (g).

नीचे चारताल को दादरा ताल में लिखा जा रहा है -
चारताल के बोलों को दादरा ताल की मात्रा, विभाग, ताली खाली में लियेंगे।

मात्रा	1	3	4	5	6	
बोल	ध्राधा	पिं	किंध्रा	पिं	तिं	गुकिंगन
चिन्ह	x			o		x

1. (h).

धमार गायन शैली के साथ धमार ताल ही बजाई जाती है।

1. (i).

तबला बजाते समय तबला वादक, तबला वादन की भाकृष्टि बनाने के लिए दाव - गौंस का प्रयोग करते हैं। बाएँ हाथ से तबले के बोल को बजाते समय कभी - कभी दबा कर बजाते हैं और कभी कुल हाथ मारते हैं। जैसे ध्रागे बोल को जब बजाएंगे तो जब ध्रा को बजाएंगे तो पवाते हर बजाएंगे तो जब ध्रा दबा होगा, और जब गे को बजाएंगे तो कौंस होगा। मतः इसे ही दाव - गौंस कहते हैं।



Paper Code

A 3 1 0 5 0 3 T



10

1. (a) सौन्दर्य शास्त्र - द्वितीय सम्बन्ध ।

सौन्दर्यशास्त्र में भाव को स्पष्ट करते हैं ।

1. (e).

चाचर ताल (परिचय)

चाचर ताल को गणरा ताल कहते हैं ।
यह खुले बोलों का ताल है तथा ये ताल
पखावज में बाजाया जात, यह पखावज की
ताला है ।

मात्रा
विभाग
ताली
खाली

21

11.

4, 1, 4, 11, 4, 1, 1, 1, 2, 1, 5, 6, 10, 11, 12,
0 16, 17, 18, 19, 20.

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल	धा	धा	दि	ता	त्रक	धा	दि	ध्रु	ध्रु	ध्रु	ध्रु	ध्रु	ध्रु	ध्रु	ध्रु
चिह्न	x				2	3				4	5	6			

मात्रा	16	17	18	19	20	21
बोल	धा	दि	ध्रु	गदि	गन	धा
चिह्न	7	8	9	10	11	

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



11

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



12

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



13

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



14

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



15

X

X

Do Not Write anything in this Portion



Page No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

X



16

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--

X



17

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



18

X

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--



19

X

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



20

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



21

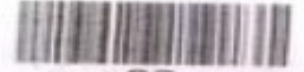
X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



22

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



23

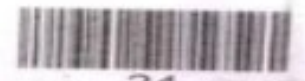
X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



24

X